भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 268*

जिसका उत्तर दिनांक 29 अगस्त, 2013 को दिया जाना है

पूंजीगत माल क्षेत्र

268*. श्री राम सुन्दर दास:

श्री कपिल मुनि करवारिया:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पूंजीगत माल क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के उद्योगों को सुदृढ़ करने और पूंजीगत माल का आयात कम करने संबंधी कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार चालू पंचवर्षीय योजना में पूंजीगत माल उद्योग हेतु तकनीकी सहायता और आधुनिक औद्योगिक पार्क प्रदान करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई व्यवहार्यता अध्ययन कराया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क)से(ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

<u>विवरण</u>

पूंजीगत माल क्षेत्र के संबंध में श्री राम सुन्दर दास और श्री कपिल मुनि करवारिया द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 268* जिसका उत्तर दिनांक 29.08.2013 को दिया जाना है, के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): जी, नहीं।

(ख): लागू नहीं।

(ग): जी, हां।

(घ): प्रस्तावित योजना में विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों, एकीकृत औद्योगिक अवसंरचना पार्क (मशीन टूल पार्क), सामान्य इंजीनियरी सुविधा केन्द्रों, डेडिकेटेड टेस्टिंग सेंटर फॉर अर्थमूविंग मशीनरी एण्ड टेक्नॉलॉजी एक्विजीशन फंड प्रोग्राम में अवस्थित करने के लिए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास हेतु उत्कृष्टता केन्द्र का निर्माण शामिल है।

(ङ): इस विभाग ने 2005-06 के दौरान कन्फेडरेशन ऑफ इण्डियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा व्यवहार्यता अध्ययन करवाया गया था और 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान औद्योगिक लीजिंग एवं वित्तीय सेवाएं (आईएलएण्डएफएस) द्वारा एक स्कीम तैयार की गई थी। इस स्कीम का प्रस्ताव योजना आयोग द्वारा विशेष रूप से 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए गठित पूंजीगत माल और इंजीनियरी सेक्टर संबंधी कार्यदल द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर 12वीं पंचवर्षीय योजना में रखा गया है।